GOVERNMENT COLLEGE, BAHU (JHAJJAR)

(*Affiliated to Maharshi Dayanand University, Rohtak, AISHE Code: C-50431*)

Tel: 01259-279010 E-Mail - gcwbahu@gmail.com Website- gcbahu.ac.in

Photographs and news reports of extension activities

Cleanliness Drive by NSS Volunteers

छात्राओं ने सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

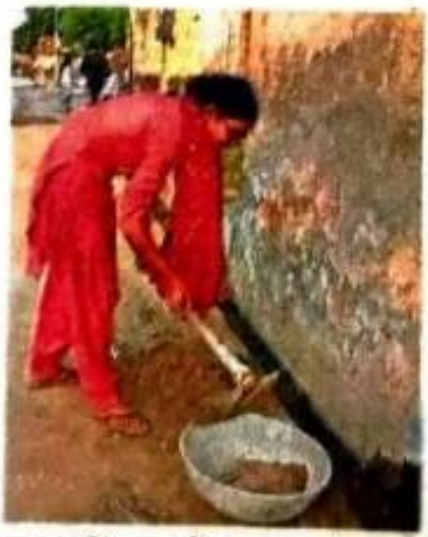

सालहावास | गांव स्थित राजकीय कॉलेज की एनएसएस ईकाई की स्वयंसेविकाओं ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान चलाया। इसमें गांव की गली-मोहल्लें में झाड़ू लगाकर सफाई कर लोगों को सफाई से रहने का संदेश दिया। कॉलेज की एनएसएस प्रभारी प्रोफेसर पूजा शर्मा और प्राचार्य डा. राजकुमार वर्मा ने बताया कि कॉलेज की एनएसएस ईकाई की स्वयंसेविकाओं ने सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वच्छ भारत अभियान में अपना योगदान दिया। कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने सभी छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

Cleanliness Drive

बहु कॉलेज के छात्रों ने चलाया सफाई अभियान

साल्हावास | राजकीय महाविद्यालय बहु की एनएसएस इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर गांव बहु की लाला नित्यानंद राय धनपत राय धर्मशाला में चला हुआ है। शनिवार को एनएसएस शिविर का तीसरा दिन था तथा स्वयं सेविकाओं द्वारा प्रतिदिन की तरह सर्वप्रथम धर्मशाला की साफ-सफाई करने के पश्चात शिव व परशुराम मंदिर की साफ-सफाई की। तथा इसी दिन "प्राथमिक उपचार एवं होम नर्सिंग का प्रशिक्षण रेड क्रॉस सोसायटी से श्री विनय कुमार द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विनय कुमार ने एनएसएस स्वयं सेविकाओं को किसी भी प्रकार की दुर्घटना के समय प्रयोग किए जाने वाले प्राथमिक उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा भविष्य में जरूरत पड़ने पर इनका प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी प्रो. रीना व सह प्रभारी प्रो. मोनिका मौजूद रहे।

स्वयंसेविकाओं ने गोगा मंदिर में चलाया सफाई अभियान

गांव बहु में सफाई अभियान के दौरान स्वयंसेविकाएं। संवाद

साल्हावास। क्षेत्र के गांव बहु स्थित राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से शुरू किए गए। सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेविकाओं ने सर्व प्रथम गोगा मंदिर व उसके आस-पास की साफ सफाई की गांव खानपुर कलां में रैली निकालकर ग्रामीणों व आम जन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. मोहन कुमार ने नशा मुक्त भारत में युवाओं की भूमिका पर व्याख्यान दिया। इससे युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। प्राचार्य डॉ. रणवीर सिंह आर्य ने स्वयं सेविकाओं को इस प्रकार से किए जाने वाले सामाजिक कार्यों में पूर्ण सहयोग करने की अपील की। महाविद्यालय के प्रशासनिक प्रभारी डॉ. जितेंद्र कुमार ने बताया कि समाज में बदलाव लाने से पूर्व हमें स्वयं को बदलना बहुत जरूरी है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ रीना ने स्वयं सेविकाओं से अपील की कि इस सात दिवसीय विशेष शिविर में उन्हें जो भी कार्य करने को कहा जाए वह उसे पूरे मन से करें और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाए। संवाद

Tree Plantation

दैनिक भास्कर (झज्जर)
09/08/2019

बहू कॉलेज में किया पौधरोपण

झज्जर | ग्रामीण आंचल के गांव राजकीय महाविद्यालय बहु में एनएसएस इकाई के तत्वावधान में पौधरोपण अभियान चलाया गया। एनएसएस स्वयं सेविका छात्राओं ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. रीना और प्राचार्य डॉ. कृष्ण चंद्र सांगवान के देखरेख में यह कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर सभी एनएसएस इकाई की स्वयंसेविका छात्राएं उपस्थित रही। सभी छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में फूलों और छायादार पौधे-रोपे गए। महाविद्यालय प्राचार्य ने छात्रों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ों के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

प्राचार्य
Principal,
Govt. College
Bahu (Jhajjar)
राजकीय महाविद्यालय बहू
(झज्जर)

International Day of Yoga

Rally on Road Safety

रैली निकाल सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

झज्जर। गांव बहु स्थित राजकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। प्रशासनिक इंचार्ज डॉ. जितेंद्र ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व आमजन को प्रोत्साहित करना है ताकि सड़क हादसों को रोका जा सके। कार्यक्रम इंचार्ज प्रो मंगोला ने बताया कि रैली के माध्यम से लोगों को सड़क नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। छात्राओं ने स्लोगनों के माध्यम से लोगों से यातायात नियमों का अनुपालन करने की अपील की। मीडिया प्रभारी प्रो मोनिका ने कहा कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का मूल मंत्र है। यातायात नियमों का पालन करने वाला स्वयं सुरक्षित रहता है। साथ ही दूसरे को सुरक्षा प्रदान करता है। संवाद

स्वयं सेविकाओं ने सड़क सुरक्षा रैली निकाली

साल्हावास | साल्हावास गांव के राजकीय महाविद्यालय बहु की एनएसएस इकाई ने सात दिवसीय शिविर का आयोजन बहु गांव की लाला नित्यानंद राय धनपत राय धर्मशाला में किया। एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वयं सेविकाओं द्वारा गांव बहु में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाल गांव वासियों को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया। प्रो. मोहन कुमार ने कैशलैस ट्रांजेक्शन एवं डिजिटल इंडिया पर एक विस्तार व्याख्यान दिया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी प्रो. रीना व सह प्रभारी प्रो. मोनिका मौजूद रहे।

ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा के नियम बताए

भास्कर न्यूज | साल्हावास

गांव खानपुर कलां के गोगा जी मंदिर में में चल रहे गांव बहु झोलरी के राजकीय कॉलेज की एनएसएस इकाई के स्वयंसेविकाओं ने मंदिर की सफाई की। इसके बाद सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकली। इसके जरिए ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा और उसके नियमों के प्रति जागरूक किया। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. मोहन कुमार ने कैशलेस ट्रांजेक्शन व डिजिटल इंडिया पर विस्तार व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि कैशलेस ट्रांजेक्शन क्या है? कैशलेस ट्रांजेक्शन सर्विस कौन-कौन से हैं? इनका प्रयोग कैसे करें व इसकी विशेषताएं व लाभ। क्रेडिट कार्ड, आरटीजीएस, एनईएफटी व इंटरनेट बैंकिंग के विभिन्न तरीकों के बारे में स्वयंसेविकाओं को अवगत कराया। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी प्रो. रीना व सहप्रभारी प्रो. मोनिका मौजूद रहीं।

छात्राओं रैली निकाल तम्बाकू से दूर रहने का संदेश दिया

साल्हावास | राजकीय महाविद्यालय बहु में छात्राओं को तम्बाकू निषेध की शपथ दिलाई गई। इसके बाद एनएसएस इकाई के तत्वावधान में स्वयं सेविकाओं ने गांव बहु में स्वच्छता जागरूकता अभियान पर स्वच्छता का संदेश देते हुए रैली निकाली। एनएसएस प्रभारी प्रो. पूजा ने स्वयं सेविकाओं को संबोधित करते हुए बताया कि स्वच्छता, अच्छा स्वास्थ्य और आत्मविश्वास दैनिक दिनचर्या में हमारी सहायता करते है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजकुमार वर्मा ने बताया कि समाज में सभी व्यक्ति मानसिक एवं शारीरिक रूप से कुशल रहे। यह कुशलता तभी संभव होगी जब समाज में प्रत्येक व्यक्ति धूम्रपान से दूर रहेगा। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने स्वयं सेविकाओं को जागरूक करते हुए बताया कि सभी छात्राएं देश का भविष्य हैं।

छात्राओं ने सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

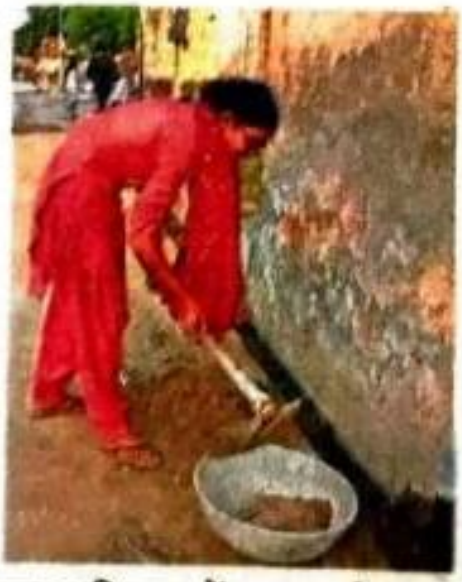

सालहावास | गांव स्थित राजकीय कॉलेज की एनएसएस ईकाई की स्वयंसेविकाओं ने गांधी जयंती के उपलक्ष्य में स्वच्छता अभियान चलाया। इसमें गांव की गली-मोहल्लें में झाड़ू लगाकर सफाई कर लोगों को सफाई से रहने का संदेश दिया। कॉलेज की एनएसएस प्रभारी प्रोफेसर पूजा शर्मा और प्राचार्य डा. राजकुमार वर्मा ने बताया कि कॉलेज की एनएसएस ईकाई की स्वयंसेविकाओं ने सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वच्छ भारत अभियान में अपना योगदान दिया। कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने सभी छात्राओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

Lecture during health camp

Extension Lectures on Different Topics

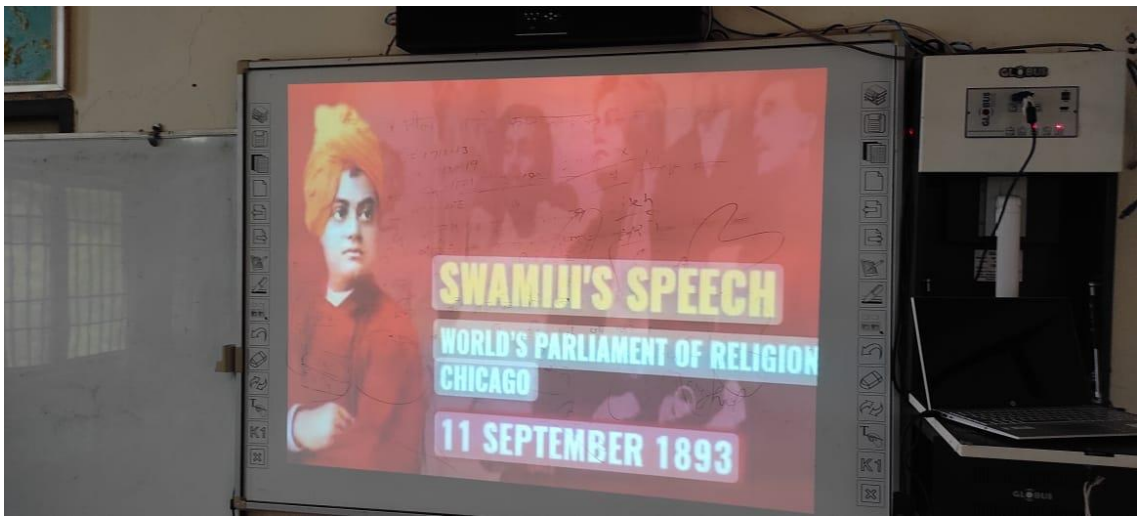

दैनिक भास्कर झज्जर भास्कर 20-03-2022

महिला सशक्तिकरण के बारे में दी जानकारी

साल्हावास | ग्रामीण आंचल में स्थित राजकीय महाविद्यालय बहू की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का प्रारंभ आज स्थानीय धर्मशाला रामलीला मैदान गांव बहू में किया गया। जिसमें वैश्य विधि महाविद्यालय रोहतक में प्राध्यापिका तथा शोध संस्था की सह संयोजक डॉ. पूजा राव मुख्यातिथि के रुप में उपस्थित रही। साइबर कानून के विषय पर पीएचडी कर चुकी डॉ. पूजा राव ने अपने उद्घाटन भाषण में महिला सशक्तिकरण के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी के सभी आवश्यक पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा समाज में महिलाओं की स्थिति और उसमें आ रहे परिवर्तन के बारे में अनुभव आधारित चर्चा की। छात्राओं को साइबर बुलीइंग तथा हैकिंग जैसी समस्याओं के बारे में बताते हुए इनके समाधान में साइबर कानून की भूमिका को समझाया।

कार्यक्रम

राजकीय महाविद्यालय बहु में सविनय अवज्ञा आंदोलन की 92वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यान

सविनय अवज्ञा आंदोलन का इतिहास में अद्वितीय स्थान: प्रो. नरेंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

सालहावास। राजकीय महाविद्यालय बहु में सविनय अवज्ञा आंदोलन की 92वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में इतिहास विभाग की तरफ से एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन के संयोजक और मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के प्राध्यापक नरेंद्र कुमार रहे। उन्होंने कहा की सविनय अवज्ञा आंदोलन इतिहास में अपना अद्वितीय स्थान रखता है।

कहा कि 1920 का उथल पुथल का दशक था। जिसमें भारत में अलग अलग विचारधाराओं के राजनीतिक लोग भारतीय लोगों को अलग अलग राह में ले जा रहे थे और अपने-अपने अधिकारों की मांग अपने ढंग से कर रहे थे। ऐसे समय में महात्मा गांधी ने नमक जो सबकी रोजमर्रा की वस्तु थी, को हथियार बनाकर समस्त भारतीय जनता को उनकी मांगों के साथ अंग्रेजी सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए और अंग्रेजी हुकूमत की नीतियों को सविनय विरोध करने के लिए साथ लाए।

कहा कि आंदोलन को तीन चरणों में चलाया और अपनी मांगों को अंग्रेजी सरकार के समक्ष रखा । पहले चरण में महात्मा गांधी ने अपने साबरमती आश्रम से अपने 78 अनुयायियों के साथ 12 मार्च से 6 अप्रैल 1930 को 240

राजकीय महाविद्यालय बहु में बुधवार को आयोजित व्याख्यान में संबोधित करते प्रोफेसर नवीन। संवाद

मील दूर समुद्र तट पर बसे दांडी पहुंचकर समुद्र के जल से नमक बनाकर अंग्रेजी सरकार के नमक कानून का उल्लंघन किया। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसी ही नमक बनाकर नमक कानून का विरोध करने को कहा। इसी कड़ी में इतिहास विभागाध्यक्ष आदित्य गोयल ने बताया कि आंदोलन में गांधी के साथ देश के हर वर्ग मजदूर, किसान, महिलाएं, आदि ने कंधे से कंधा मिलाकर आंदोलन का साथ दिया। इस एकता को देखते हुए अंग्रेजी सरकार ने गांधी से संपर्क करके उनको आंदोलन स्थगित करके इंग्लैंड में होने वाली दूसरी गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए मना लिया। कहा कि दूसरे और तीसरे चरण में आंदोलन भले ही उतनी तेजी से नहीं चला हो, परंतु उसने साबित कर दिया था की भारत की जनता अब जागरूक हो गई है और अब इसको ज्यादा लंबे समय तक नहीं बाटा जा सकता। इसी कड़ी में महाविद्यालय की बी.ए प्रथम वर्ष की छात्रा ने सविनय अवज्ञा आंदोलन पर अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने देश की आजादी की लड़ाई में हुए आंदोलनों की महता के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार, भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ पंकज, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ सुखबीर सिंह, मीडिया प्रभारी डॉ मोनिका व अन्य मौजूद रहे।

नमन

बहु महाविद्यालय में जयंती पर शहीद भगत सिंह को किया गया याद

शहीद-ए-आजम भगत सिंह से कांपती थी अंग्रेजी हुकूमत

संवाद न्यूज एजेंसी

सालहावास। गांव बहु स्थित राजकीय महाविद्यालय में इतिहास विभाग की तरफ से शहीद भगत सिंह की 115 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार रहे और संयोजक इतिहास विभाग के प्राध्यापक नरेंद्र कुमार थे।

डॉ. जितेंद्र ने बताया कि भगत सिंह भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रांतिकारी थे। सरदार भगत सिंह पंजाब के ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत के स्वतंत्रता संग्राम में से एक अत्यंत आकर्षक नवयुवक थे। उनकी गणना भारत के प्रथम श्रेणी के नायकों में की जाती है जो राष्ट्रीय आंदोलन में देश की खातिर शहीद हो गए। वह भारतीयों के लिए एक लोककथा बन गए हैं, जो साहस, आत्म बलिदान एवं देशभक्ति का प्रतीक थे, एक उच्च कोटि के विचारक के रूप में भगत सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम के स्वरूप और आजाद भारत की

बहु महाविद्यालय में आयोजित व्याख्यान में संबोधित करता वक्ता। संवाद

प्रशासनिक,, सामाजिक एवं आर्थिक अवस्था की रूपरेखा के बारे में महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए थे। भगत सिंह ने चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की। सरदार भगत सिंह तथा उनके साथी सशस्त्र क्रांति के द्वारा देश को स्वतंत्र करवाने के स्वप्न लेते थे तथा जनव्यापी आंदोलन द्वारा लोगों में जागृति लाकर समाज का पुनर्निर्माण करने की कल्पना करते थे। भगत सिंह ने वंदे मातरम के स्थान पर इंकलाब जिंदाबाद का नारा प्रचलित किया था। उनकी विचारधारा के अनुसार क्रांति का भावार्थ बम एवं पिस्तौलों के द्वारा बिना सोचे समझे लोगों की हत्या करना नहीं और न ही केवल आतंकवाद से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है। क्रांतिकारियों का उद्देश्य समाज में अन्याय अत्याचार, हिंसा, रक्तपात का अंत करना है। भगत सिंह एक उच्च कोटि के विचारक भी थे, और विचार के रूप में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पुस्तक पढ़ने का था शौक

उन्होंने विश्व के इतिहास का पर्याप्त अध्ययन किया था। उन्हें पुस्तकें पढ़ने का बहुत शौक था उनके मित्रों का कहना था कि यदि भगत सिंह क्रांतिकारी न होते तो वह यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर होते। वे सदा अपने साथ कुछ पुस्तकें रखते थे। इतिहास के प्राध्यापक नरेंद्र कुमार ने बताया कि उनकी शहीदी ने देश के सभी लोगों को अत्यंत प्रभावित किया और सभी स्वतंत्रता संग्रामियों को अत्याधिक शक्ति प्रदान की। जिसके परिणाम स्वरूप भारतीयों को स्वतंत्रता के लिए अधिक समय तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ी। प्रसिद्ध राष्ट्रवादी तथा कांग्रेस के नेता सीतारमैया के अनुसार शहीदी के फलस्वरूप भगत सिंह का नाम संपूर्ण भारत में इतना लोकप्रिय हो गया, जितना कि महात्मा गांधी का था। इसलिए उन्हें आज भी शहीदे-आजम के नाम से याद किया जाता है। उनकी अद्वितीय शहीदी के गीत गाए जाते हैं। महाविद्यालय के लिपिक सुनील कुमार ने भगत शहीद भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में उनकी एक रंगोली बनाकर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे।

संस्कारम में मनाई शहीद भगत सिंह की जंयती

झज्जर। संस्कारम पब्लिक स्कूल, खातीवास में शहीदे-आजम भगत सिंह की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहीदे-आजम भगत सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ताकि विद्यार्थियों में भी देशभक्ति की भावना का संचार हो सके। इस अवसर पर संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन महिपाल ने न सिर्फ उनके बलिदान के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। साथ ही उनके जीवन से प्रेरित होकर श्रेष्ठ जीवन शैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया। एक छात्र ने युवा शक्ति के लिए कहा कि हमारे देश का युवा देश के चहुमुखी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज का युवा वर्ग ही भविष्य का कर्णधार है। इस उपलक्ष्य पर विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। संवाद

'लक्ष्मीबाई के नाम से ही थर-थर कांपती थी अंग्रेजी हुकूमत'

संवाद न्यूज एजेंसी

सालहावास । गांव बहु स्थित राजकीय महाविद्यालय में इतिहास विभाग की तरफ से रानी लक्ष्मीबाई की 194 वीं जयंती के उपलक्ष में ''आजादी के अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और संयोजक इतिहास विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर नरेंद्र कुमार रहे।

महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ जितेंद्र कुमार ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई साहस वीरता और नारी शक्ति की प्रतिमूर्ति थी। रानी लक्ष्मीबाई, जिन्हें झांसी की रानी भी कहा जाता है।

रानी लक्ष्मीबाई के बारे में जानकारी देते प्रवक्ता। संवाद

राजकीय कॉलेज में रानी लक्ष्मीबाई की 194 वी जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

1857 के भारतीय विद्रोह में एक महान क्रांतिकारी थी। रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1835 को वाराणसी शहर में हुआ था। उनका नाम मणिकर्णिका तांबे रखा गया और उनका उपनाम मनु रखा गया। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में रानी लक्ष्मीबाई की शहीदी सभी भारतीयों के लिए प्रेरणादायक स्त्रोत है। 1857 का विद्रोह मेरठ में छिड़ गया था और रानी झांसी पर शासन कर रही थी।

1858 में सर ह्यूग रोज की कमान में ब्रिटिश सेना झांसी के किले पर कब्जा करने के इरादे से पहुंची। उन्होंने मांग की कि रानी लक्ष्मीबाई उनके सामने आत्मसमर्पण कर दे अन्यथा नष्ट कर दिया जाएगा। रानी लक्ष्मीबाई ने इंकार कर दिया और घोषणा की, हम स्वतंत्रता के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे।

साहसी लक्ष्मीबाई अपने ही विश्वास पात्र व्यक्ति दुल्हेराव के द्वारा की गई धोखा बाजी के कारण झांसी की लड़ाई हार गई और रानी अपने शिशु पुत्र को अपनी पीठ पर बांधकर घोड़े पर सवार होकर कालपी की ओर निकली। तात्या टोपे और अन्य विद्रोही सैनिकों के साथ, रानी ने ग्वालियर के किले पर कब्जा कर लिया, बाद में, 23 वर्ष की आयु में 18 जून 1858 को ग्वालियर में लड़ते हुए रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु हो गई।

'बिरसा मुंडा ने जमकर लिया अंग्रेजों से लोहा'

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में जयंती पर स्वतंत्रता सेनानी को किया याद, व्याख्यान में विद्यार्थियों को दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

सालहावास । राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग एवं हरियाणा इतिहास कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ रणबीर सिंह आर्य के निर्देशन में महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 147 वी जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं इतिहास विभागाध्यक्ष डा. अमरदीप ने कहा कि बिरसा मुंडा का राष्ट्रीय आंदोलन में अद्वितीय योगदान था। वे जनजातियों के महानायक और महागौरव थे और उनकी याद में आज सारा देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। 15 नवम्बर 1875 में वर्तमान झारखंड में जन्मे बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी राज के शोषण चक्र को समझा और इससे मुक्ति दिलाने के लिए अतुलनीय आन्दोलन छेड़ा।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर विश्विद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के आदेशानुसार एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें एमए इतिहास द्वितीय वर्ष की लड़कियों ने बाजी मारी। प्रथम स्थान पर रितु, द्वितीय स्थान सोनू और तृतीय स्थान पर पूजा रही। इस अवसर पर ओमवीर, पवन कुमार, सचीन, जितेंद्र, डॉ अजय कुमार, अजय सिंह, और डॉ राजपाल इत्यादि उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय में व्याख्यान देते हुए वक्ता। संवाद

छात्राओं को बिरसा मुंडा की जानकारी देती वक्ता। संवाद

गांव बहु के राजकीय महाविद्यालय में मानचित्र भरतीं छात्राएं। संवाद

मानचित्र भरो प्रतियोगिता में रीतिका को मिला प्रथम स्थान

सालहावास। क्षेत्र के गांव बहु स्थित राजकीय महाविद्यालय के भूगोल विभाग के तत्वाधान में मानचित्र भरो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया व अपने मानचित्र भरने के कौशल का प्रदर्शन किया । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रितिका तृतीय वर्ष से, दूसरे स्थान पर नवीन द्वितीय वर्ष से और तीसरे स्थान पर सबीना तृतीय वर्ष से रही । इस प्रतियोगिता का संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ पंकज भारद्वाज, पूजा शर्मा व प्रो रेखा चहां के नेतृत्व में हुआ। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ जितेंद्र भारद्वाज ने इस प्रतियोगिता में बढ़कर हिस्सा लेने पर छात्राओं की प्रशंसा की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रणबीर सिंह आर्य ने अपने संदेश के माध्यम से विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी व भूगोल विभाग द्वारा समय-समय पर इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करवाने पर प्रशंसा की। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। संवाद

एनएसएस राष्ट्रीय शिविर में दिया बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

सालहावास | गांव खानपुर कलां में चल रहे बहु झोलरी के राजकीय कॉलेज की एनएसएस इकाई के स्वयंसेविकाओं गोगा जी मंदिर में सफाई की। सात दिवसीय इस विशेष शिविर का बुधवार को पांचवां दिन था। स्वयंसेविकाओं ने गांव में "स्वच्छ भारत अभियान" को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए नारे लगाए।

उन्होंने लोगों को खुले में कूड़ा-कचरा न फेंकने के प्रति जागरूक किया। विरोहड़ के राजकीय कॉलेज से डॉ. अनिता फोगाट ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज बेटियां, बेटे की तुलना में हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। बेटियां अभिशाप नहीं वरदान है। यही भावना को जन-जन तक भी पहुंचाना होगा। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी प्रो. रीना व सहप्रभारी प्रो. मोनिका व डॉ. अजय कादयान आदि मौजूद रहे।

शिविर • खानपुर कलां के गोगा मंदिर में एनएसएस कैंप का समापन

स्वयंसेविकाओं ने नारी जीवन पर सुनाई कविता

भास्कर न्यूज | साल्हावास

गांव खानपुर कलां के गोगा मंदिर में चल रहे राजकीय कॉलेज बहु झोलरी की एनएसएस इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन शुक्रवार को हो गया। इसमें प्रतिदिन की तरह सर्वप्रथम स्वयंसेविकाओं ने मंदिर की सफाई गई। इसके बाद स्वयंसेविकाओं ने नारी जीवन पर कविता सुनाई। मुख्य अतिथि राजकीय नेहरू पीजी कॉलेज के डॉ. धनपत ग्रेवाल, गेस्ट ऑफ ऑनर प्रवीण कुमार व प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार रहे। एनएसएस प्रभारी प्रो. रीना ने शिविर की जानकारी दी। संचालन सह प्रभारी प्रो मोनिका ने किया। बीकॉम तृतीय वर्ष की सीमा ने शिविर की रिपोर्ट पेश की। इस अवसर पर डॉ. मोहन कुमार, डॉ. सुखबीर सिंह, डॉ. कुलबीर सिंह, डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. चंद्रभान, सुनील कुमार, सुनील शर्मा आदि मौजूद रहे।

खानपुर कलां के गोगा मंदिर में एनएसएस शिविर में शामिल स्वयंसेवक।

स्वयंसेविकाओं ने वितरित किए मास्क

साल्हावास : संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए गांव बहु झोलरी स्थित राजकीय महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की स्वयं सेविकाओं ने सराहनीय कदम उठाया है। स्वयं सेविकाएं घर पर कपड़े के मास्क बनाकर आस पड़ोस में वितरित कर रही हैं। स्वयं सेविकाएं अपने आस-पड़ोस में जाकर कोरोना वायरस से बचाव के लिए सावधानी बरतने के लिए प्रेरित कर रही हैं। साथ ही स्वयंसेविकाएं लोगों को आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करवा रही हैं। (संसू)

लॉकडाउन के दौरान स्वयं सेविकाएं मास्क वितरित करते हुए। ● साभार : सोशल मीडिया